8

भगत सिंह का आखिरी पत्र

पाठ परिचय – प्रस्तुत पाठ मातृभूमि के सपूत शहीद भगत सिंह के अंतिम पत्र पर आधारित है। इसमें भगत सिंह ने अपने साथियों को हृदयगत भावों को पत्र के माध्यम से प्रकट किया है कि वह सम्पूर्ण देशवासियों के लिए क्रांति का प्रतीक चिह्न बनकर गौरव अनुभव कर रहे हैं। देश और मानवता के लिए उनके हृदय में बहुत कुछ करने का भाव था परन्तु वे पूरा न कर सके। इसका अर्थ यह नहीं कि वे फाँसी से बचना चाहते हैं। वे तो अपने बलिदान की तीव्रता से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

1. व्याकरणिक परिचय–

(क) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

कुर्बानी – .... इच्छा – ....

दल – .... अवसर – ....

लालच – ....

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण शब्द बनाइए–

कैद – ..... लालच – .....

कमज़ोरी – ..... मानवता – .....

स्वतंत्रता – .....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पत्र लिखने वाला कौन है?

.....

(ख) वह किस शर्त पर जीना चाहता है?

.....

(ग) किसका नाम क्रांति का प्रतीक बन चुका है और क्यों?

.....

(घ) उसकी मृत्यु से किसकी तादाद बढ़ जाएगी?

.....

(ङ) उसके हृदय में किस बात का लालच है?

.....

3. (क) भगत सिंह की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(ख) निम्नलिखित पंक्ति की व्याख्या कीजिए-

'मेरा नाम हिंदुस्तानी क्रांति का प्रतीक बन चुका है।'

.....

.....

.....

4. आओ सीखें-

(क) व्यंजन संधि- जब 'म्' के बाद 'क्, च्, ट्, त्, प्' आए तो म् के स्थान पर उसी वर्ग का पाँचवाँ वर्ण 'ङ्, ञ्, ण् न् म्' या अनुस्वार हो जाता है। जैसे- सम्+कल्प=संकल्प, परम्+तु=परन्तु आदि।

(ख) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-

संतोष = ... + ...

संपूर्ण = ... + ...

अहंकार = ... + ...

अलंकरण = ... + ...

संबंध = ... + ...

5. रचनात्मक गतिविधि-

(क) दिए गए स्थान पर क्रांतिकारियों का चित्र लगाकर नाम लिखिए।

.....	.....	.....

(ख) देशभक्ति की कविता कंठस्थ कीजिए और कक्षा में सुनाइए।